भारत और स्वीडन के बीच उद्योग संक्रमण वार्ता

प्रलिम्सि के लयि:

'स्टॉकहोम+50', लीडआईटी, COP27, यूएन क्लाइमेट एक्शन समटि, यूएनईपी।

मेन्स के लयि:

भारत-स्वीडन संबंध, द्वपिक्षीय समूह और समझौते, समूह और समझौते भारत को शामलि करते हैं और/या भारत के हतिों को प्रभावति करते हैं।

चर्चा में क्यों?

हाल ही में भारत और स्वीडन ने अपनी संयुक्त पहल **'लीडरशपि फॉर इंडस्ट्री ट्रांज़शिन' (LeadIT) के** एक भाग के रूप में स्टॉकहोम में **उद्योग संक्रमण वार्ता की मेज़बानी की।**

- इस उच्च स्तरीय संवाद ने संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन '**स्टॉकहोम+50**' में योगदान दयि है, साथ ही COP-27 (जलवायु परविर्तन) के लयि एजेंडा नर्धिारति कयि है।

लीडआईटी:

- **परचिय :**
    - **लीडआईटी** पहल उन क्षेत्रों पर वशिेष ध्यान देती है जो वैश्वकि जलवायु कार्रवाई में प्रमुख हतिधारक हैं और जहाँ वशिष्टि हस्तक्षेप की आवश्यकता है।
    - यह उन देशों और कंपनयिों को संगठति करता है जो **पेरसि समझौते** को हासलि करने एवं कार्रवाई के लयि प्रतबिद्ध हैं।
    - इसे वर्ष 2019 के **संयुक्त राष्ट्र जलवायु कार्रवाई शखिर सम्मेलन** में **स्वीडन और भारत** की सरकारों द्वारा लॉन्च कयि गया था और यह **वशि्व आर्थकि मंच** द्वारा समर्थति है।
    - **लीडआईटी के** सदस्य इस वचिार को बढ़ावा देते हैं कि वर्ष 2050 तक ऊर्जा-गहन उद्योगों में नम्नि-कार्बन उत्सर्जन के उपायों को अपनाकर **शुद्ध-शून्य कार्बन उत्सर्जन** प्राप्त करने के लक्ष्यों की पूर्ति की जा सकती है।
- **सदस्य संख्या:**
    - लीडआईटी में देशों और कंपनयिों को मलिाकर कुल 37 सदस्य हैं।
        - जापान और दक्षणि अफ्रीका, इस पहल के नवीनतम सदस्य हैं।

भारत-स्वीडन संबंध

- **राजनीतकि संबंध:**
    - **वर्ष 1948 में राजनयकि संबंध** स्थापति हुए और दशकों से लगातार मज़बूत स्थतियिों में हैं।
    - **पहला भारत-नॉर्डकि शखिर सम्मेलन** (भारत, स्वीडन, नॉर्वे, फनिलैंड, आइसलैंड और डेनमार्क) वर्ष 2018 में स्वीडन में आयोजति कयि गया था।
    - स्वीडन ने नवंबर 2020 में भारत की सह-अध्यक्षता में प्रथम भारत-नॉर्डकि-**बाल्टकि** (एस्टोनयिा, लातवयिा और लथिुआनयिा सहति) कॉन्क्लेव में भी भाग लयि।
- **बहुपक्षीय जुड़ाव:**
    - भारत और स्वीडन ने संयुक्त रूप से वर्ष 2019 में **संयुक्त राष्ट्र जलवायु कार्रवाई शखिर सम्मेलन** में **वर्ल्ड इकोनॉमकि फोरम (WEF)** के सहयोग से **लीडरशपि ग्रुप ऑन इंडस्ट्री ट्रांज़शिन (LeadIT)** लॉन्च कयि।
    - 1980 के दशक में भारत और स्वीडन ने **'सक्सि नेशन पीस समटि'** (जसिमें अर्जेंटीना, ग्रीस, मैक्सकिो और तंजानयिा भी शामलि थे) के फ्रेमवर्क के अंतर्गत **परमाणु नरिस्त्रीकरण** के मुद्दों पर एक साथ काम कयि।
    - **संयुक्त राष्ट्र महासभा** में **भारत और स्वीडन मानवीय मामलों पर एक वार्षकि संयुक्त वक्तव्य प्रस्तुत** करते हैं।

    - वर्ष 2013 में स्वीडिश प्रेसीडेंसी के दौरान भारत किरुना मंत्रिस्तरीय बैठक में एक पर्यवेक्षक के रूप में [आर्कटिक परिषद](#) में शामिल हुआ।
- **आर्थिक और वाणिज्यिक संबंध:**
    - एशिया में चीन तथा जापान के बाद **भारत, स्वीडन का तीसरा सबसे बड़ा व्यापार साझेदार (Trade Partner)** है।
    - **वस्तुओं और सेवाओं का व्यापार** 3 बिलियन अमेरिकी डॉलर (2016) से बढ़कर 4.5 बिलियन अमेरिकी डॉलर (2019) हो गया है।
- **रक्षा और एयरोस्पेस (स्वीडन-भारत संयुक्त कार्य योजना 2018):** यह अंतरिक्ष अनुसंधान, प्रौद्योगिकी, नवाचार और अनुप्रयोगों के क्षेत्र में सहयोग पर प्रकाश डालता है।

//

आगे की राह

- यूरोपीय संघ का सदस्य होने के नाते स्वीडन यूरोपीय संघ और यूरोपीय संघ के देशों के साथ भारत की साझेदारी में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।
- सामरिक जुड़ाव, द्विपक्षीय व्यापार और निवेश परिदृश्यों से पारस्परिक रूप से लाभकारी पद्धति के तहत साझा आर्थिक प्रगति को बढ़ावा मिलने की संभावना है।

स्रोत पीआईबी

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/industry-transition-dialogue-between-india-and-sweden